म्हारी सीता रो वर राम लाडो फुटरो घणो लिरिक्स

म्हारी सीता रो वर राम,
लाडो फुटरो घणो,
फुटरो घणो रे बालो,
सोवणो घणो,
म्हारी सीता रों वर राम,
लाडो फुटरो घणो।bd।

शील रो स्वभाव रो तो,
सूझलो घणो,
चांद सूरज भी लाजा मारे,
उजलो घणो,
म्हारी सीता रों वर राम,
लाडो फुटरो घणो।bd।

मंद मुस्कन सू मुलके बालो,
मीठो ही घणो,
इन बनडा़ री बोली माही,
प्रेम है घणो,
म्हारी सीता रों वर राम,
लाडो फुटरो घणो।bd।

कोमल कोमल अंग बन्ना को,
फूलिया सू घणो,
बीच सभा में धनवो तोड़यो,
शूरमो घणो,
म्हारी सीता रों वर राम,
लाडो फुटरो घणो।bd।

छोटा मोटा सब प्राणिया रो,
प्यारो है घणो,
गावे चारों वेद जगत सू,
न्यारो है घणो,
म्हारी सीता रों वर राम,
लाडो फुटरो घणो।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

एक बार ही देखया चित में,
चढ़ जावे घणो,
ऐसो कामणगारो बनडो,
चोखो है घणो,
म्हारी सीता रों वर राम,
लाडो फुटरो घणो।bd।

म्हारी सीता रो वर राम,
लाडो फुटरो घणो,
फुटरो घणो रे बालो,
सोवणो घणो,
म्हारी सीता रों वर राम,
लाडो फुटरो घणो।bd।

स्वर – संत श्री सुखराम जी महाराज।
Upload By – Keshav

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com